

झारखंड भाजपा को बेसहारा छोड़ दिया है आलाकमान ने

- विधायक दल के नेता का भी चुनाव नहीं कर पा रही है पार्टी
- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद अब तक फंसा हुआ है पेंच
- विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने में अब 12 दिन ही बचे हैं

झारखंड में विधानसभा चुनाव के तीन महीने बीतने बाद भी भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का नेता नहीं चुना गया है। पार्टी इस पद के लिए फैसला लेने में असमर्थ दिखायी दे रही है, जिससे भीतर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल होने की वजह से भाजपा विधायक दल के नेता को नेता प्रतिक्षण का दर्जा नहीं होगा। पार्टी इस पद के लिए चयन को लेकर अभी तक किसी नीतीजे तक नहीं पहुंच पायी है। सुप्रीम कोर्ट के विरोधे के बावजूद पार्टी अब तक विधायक दल के नेता का नाम तय नहीं कर

पायी है, जिससे सूचना आयुक्त जैसी महत्वपूर्ण नियुक्तियां प्रभावित हो रही हैं।

पार्टी नेता कह रहे हैं कि आलाकमान को इस सदर्भ में फैसला लेना है और उसी

की प्रतीक्षा की जा रही है। नेता का चयन नहीं होने की वजह से पार्टी को भीतर असमंजस की स्थिति है। अब तो कहा जाने लगा है कि

विधानसभा चुनाव हारने के बाद पार्टी आलाकमान ने झारखंड भाजपा को अपने हाल पर छोड़ दिया है। वैसे भी झारखंड के नेताओं पर आलाकमान को कितना सकती है। झारखंड में आखिर क्यों विधायक दल का नेता नहीं चुन पाया और क्या इसका अंदरूनी समीकरण, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संगवदाता सकेश सिंह।

से ही झारखंड को छोड़ चुके हैं। अब पार्टी की झारखंड इकाई में केवल एक प्रदेश अध्यक्ष है, जिनके सहारे पार्टी की गाड़ी रोड़ रही है। ऐसे में विधायक दल के नेता का चुनाव नहीं होने से आम लोगों में गलत संदेश जा रहा है। कहा जा रहा है कि झारखंड को लेकर भाजपा नेतृत्व गंभीर नहीं है, क्योंकि अब यहां से वह राज्यसभा की भी सीट नहीं जीत सकती है। झारखंड में आखिर क्यों विधायक दल का नेता नहीं चुन पाया और क्या इसका अंदरूनी समीकरण, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संगवदाता सकेश सिंह।

अंतिम समय में ओबीसी नेता अमर कुमार बाड़ी को विधायक दल का नेता और बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया।

विधायक दल का नेता चुनने में क्या है पेंच

अब पार्टी को दो बार लगातार हार के बाद राज्य में जातीय संतुलन की ख़ानीत दोबारा तैयार करनी होगी। यदि नेता विपक्ष आदिवासी समुदाय से होगा, तो प्रदेश अध्यक्ष गैर-आदिवासी होना चाहिए। इस बार चूंकि कई वरिष्ठ नेता विधानसभा चुनावों में घेरले ही सफाहो हो गया था, जब दो बाहरी नेताओं को झारखंड में तैयार किया रखना है, तो उसे गिनें-चुने विकल्पों में से चयन करना होगा। इनमें बाबूलाल मरांडी और चंपाई सेरेन ही हैं। पार्टी की समस्या वह है कि यदि वह बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनानी है, तो चंपाई सेरेन के नारज होने की आशंका है और यदि चंपाई सेरेन को वह पद दिया जाता है, तो फिर बाबूलाल मरांडी को एडजस्ट कर पाने की चुनौती होगी।

अब भाजपा को, जो खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के अलावा अनुशासित पार्टी कहती है, झारखंड के लिए गंभीरता से विचार करना होगा। पार्टी को लंबी अवधि के बारे में सोचना होगा। उसने चुनाव में कुछ छिड़ी जानकारी को बाट नहीं रखा है और इसे वह जारी नहीं रख सकती है। इसलिए उसे कोई भी फैसला करने से पहले तापमान समीकरणों को ध्यान में रखना होगा।

बैसे भी झारखंड के नेताओं को लेकर आलाकमान का रवैया विधानसभा चुनावों से पहले ही सफाहो हो गया था, जब दो बाहरी नेताओं को झारखंड में तैयार किया रखना है। इन नेताओं को साथ आलाकमान ने पूरा चुनाव प्रबंधन बाहरी नेताओं के हाथों में सौंप दिया और स्थानीय नेता पूरी तरह उपरक्षित रहे। चुनाव परिणाम के बाद बाबूलाल मरांडी को लेकिन अंतिम नेताओं के लिए बेसहारा छोड़ दिया गया।

बैसे भी झारखंड के नेताओं को लेकर आलाकमान का रवैया विधानसभा चुनावों से होगा, तो प्रदेश अध्यक्ष गैर-आदिवासी होना चाहिए। इस बार चूंकि कई वरिष्ठ नेता विधानसभा चुनावों में घेरले ही सफाहो हो गया था, जब दो बाहरी नेताओं को झारखंड में तैयार किया रखना है, तो उसे गिनें-चुने विकल्पों में से चयन करना होगा। इनमें बाबूलाल मरांडी और चंपाई सेरेन ही हैं। पार्टी की समस्या वह है कि यदि वह बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनानी है, तो चंपाई सेरेन के नारज होने की आशंका है और यदि चंपाई सेरेन को वह पद दिया जाता है, तो फिर बाबूलाल मरांडी को एडजस्ट कर पाने की चुनौती होगी।

बैसे भी झारखंड के नेताओं को लेकर आलाकमान का रवैया विधानसभा चुनावों से होगा, तो प्रदेश अध्यक्ष गैर-आदिवासी होना चाहिए। इस बार चूंकि कई वरिष्ठ नेता विधानसभा चुनावों में घेरले ही सफाहो हो गया था, जब दो बाहरी नेताओं को झारखंड में तैयार किया रखना है, तो उसे गिनें-चुने विकल्पों में से चयन करना होगा। इनमें बाबूलाल मरांडी और चंपाई सेरेन ही हैं। पार्टी की समस्या वह है कि यदि वह बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनानी है, तो चंपाई सेरेन के नारज होने की आशंका है और यदि चंपाई सेरेन को वह पद दिया जाता है, तो फिर बाबूलाल मरांडी को एडजस्ट कर पाने की चुनौती होगी।

बैसे भी झारखंड के नेताओं को लेकर आलाकमान का रवैया विधानसभा चुनावों से होगा, तो प्रदेश अध्यक्ष गैर-आदिवासी होना चाहिए। इस बार चूंकि कई वरिष्ठ नेता विधानसभा चुनावों में घेरले ही सफाहो हो गया था, जब दो बाहरी नेताओं को झारखंड में तैयार किया रखना है, तो उसे गिनें-चुने विकल्पों में से चयन करना होगा। इनमें बाबूलाल मरांडी और चंपाई सेरेन ही हैं। पार्टी की समस्या वह है कि यदि वह बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनानी है, तो चंपाई सेरेन के नारज होने की आशंका है और यदि चंपाई सेरेन को वह पद दिया जाता है, तो फिर बाबूलाल मरांडी को एडजस्ट कर पाने की चुनौती होगी।

बैसे भी झारखंड के नेताओं को लेकर आलाकमान का रवैया विधानसभा चुनावों से होगा, तो प्रदेश अध्यक्ष गैर-आदिवासी होना चाहिए। इस बार चूंकि कई वरिष्ठ नेता विधानसभा चुनावों में घेरले ही सफाहो हो गया था, जब दो बाहरी नेताओं को झारखंड में तैयार किया रखना है, तो उसे गिनें-चुने विकल्पों में से चयन करना होगा। इनमें बाबूलाल मरांडी और चंपाई सेरेन ही हैं। पार्टी की समस्या वह है कि यदि वह बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनानी है, तो चंपाई सेरेन के नारज होने की आशंका है और यदि चंपाई सेरेन को वह पद दिया जाता है, तो फिर बाबूलाल मरांडी को एडजस्ट कर पाने की चुनौती होगी।

बैसे भी झारखंड के नेताओं को लेकर आलाकमान का रवैया विधानसभा चुनावों से होगा, तो प्रदेश अध्यक्ष गैर-आदिवासी होना चाहिए। इस बार चूंकि कई वरिष्ठ नेता विधानसभा चुनावों में घेरले ही सफाहो हो गया था, जब दो बाहरी नेताओं को झारखंड में तैयार किया रखना है, तो उसे गिनें-चुने विकल्पों में से चयन करना होगा। इनमें बाबूलाल मरांडी और चंपाई सेरेन ही हैं। पार्टी की समस्या वह है कि यदि वह बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनानी है, तो चंपाई सेरेन के नारज होने की आशंका है और यदि चंपाई सेरेन को वह पद दिया जाता है, तो फिर बाबूलाल मरांडी को एडजस्ट कर पाने की चुनौती होगी।

बैसे भी झारखंड के नेताओं को लेकर आलाकमान का रवैया विधानसभा चुनावों से होगा, तो प्रदेश अध्यक्ष गैर-आदिवासी होना चाहिए। इस बार चूंकि कई वरिष्ठ नेता विधानसभा चुनावों में घेरले ही सफाहो हो गया था, जब दो बाहरी नेताओं को झारखंड में तैयार किया रखना है, तो उसे गिनें-चुने विकल्पों में से चयन करना होगा। इनमें बाबूलाल मरांडी और चंपाई सेरेन ही हैं। पार्टी की समस्या वह है कि यदि वह बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनानी है, तो चंपाई सेरेन के नारज होने की आशंका है और यदि चंपाई सेरेन को वह पद दिया जाता है, तो फिर बाबूलाल मरांडी को एडजस्ट कर पाने की चुनौती होगी।

बैसे भी झारखंड के नेताओं को लेकर आलाकमान का रवैया विधानसभा चुनावों से होगा, तो प्रदेश अध्यक्ष गैर-आदिवासी होना चाहिए। इस बार चूंकि कई वरिष्ठ नेता विधानसभा चुनावों में घेरले ही सफाहो हो गया था, जब दो बाहरी नेताओं को झारखंड में तैयार किया रखना है, तो उसे गिनें-चुने विकल्पों में से चयन करना होगा। इनमें बाबूलाल मरांडी और चंपाई सेरेन ही हैं। पार्टी की समस्या वह है कि यदि वह बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनानी है, तो चंपाई सेरेन के नारज होने की आशंका है और यदि चं

श्री राधा-कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं का लगा तांता माघ पूर्णिमा पर विशेष पूजा-पाठ का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता



रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धार्म ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंडरा में श्री राधा-कृष्ण मंदिर में माघ पूर्णिमा पर्व के अवसर पर बुधवार को विशेष पूजा-पाठ एवं अरती का आयोजन किया गया। पूजारी अरविंद पांडेय ने भगवान श्री श्याम जी को विधिवत पूजा-अर्चना कर भोग लगाया और पूरे विधि-विधान से पूजा का अनुषान संपन्न कराया। इसके बाद सामाजिक रूप से आरती की गयी और प्रसाद वितरण का विधा गया। माघ पूर्णिमा के अवसर पर कृष्ण प्रणामी मंगल रात्रिका सदाचार सेवा धार्म में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्वाप ने बताया कि माघ पूर्णिमा के अवसर पर विशेष पूजा-पाठ की गयी। माघ पूर्णिमा का सनातन धर्म में विशेष महत्व माना गया है। यह पर्व पूर्णिमा जगत के वालाहार भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस अवसर पर भगवान विष्णु संग लक्ष्मी जी की प्रार्थना करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। प्रयागराज में चल रहे महाकृष्ण

में विशेष महत्व माना गया है। यह उन्होंने कहा कि आज हजारों की संख्या में श्रद्धालु श्री कृष्ण राधा मंदिर पहुंचे, और भव्य मंदिर के शीश महल में विराजमान भगवान श्री राधा-कृष्ण, श्रीमद् भगवत् गीता ग्रंथ, भगवान का वस्त्र, मोर मुकुट, मुरली की पूजा अर्चना किया, मूरल में श्री कृष्ण की जम्म से लेकर महाभारत तक की ज्ञाकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुई हैं। रांची का श्री राधा कृष्ण मंदिर धार्मिक आस्था का महीने को महीने और दूर के बढ़े।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर निशाना साधा आयुष्मान योजना को लेकर हेमंत सरकार के फैसले से गरीब परेशान : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हेंडल एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी ने झारखंड की धरारी से विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत की शुरूआती की थी, लेकिन अब झारखंड सरकार की एक अव्यवहारिक फैसले ने आमजनों के लिए समस्याएं उत्पन्न कर दी हैं।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत झारखंड सरकार ने नवा नियम जारी किया है, जिसमें केवल 50 बेड (शहरी) और 20 बेड (ग्रामीण) वाले नियमों को अस्पताल ही योजना में शामिल होंगे। इससे सेकंडों छोटे अस्पताल बाहर हो जायेंगे, जिससे गरीब मरीजों को इलाज में दिक्कत होंगे। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां छोटे अस्पतालों पर निर्भरता ज्यादा है, मरीजों को महीने और दूर के बढ़े।



अस्पतालों में जाना पड़ेगा। इससे स्वास्थ्य सेवाएं गरीबों के लिए और सीमित हो जायेंगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस नियम पर पुनर्विचार करने को कहा। ताकि कोई भी व्यक्ति आयुष्मान योजना के लाभ से वंचित न हो। कहा कि अगर कहीं गड़बड़ी हो रही है, तो उसकी जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करें। लेकिन ऐसा आपामणी शक्तियों में, जहां छोटे अस्पतालों पर निर्भरता ज्यादा है, गरीबों को महीने और दूर के बढ़े।

बीआइटीटी पॉलिटेक्निक में अग्निशामक कार्यशाला



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बीआइटीटी पॉलिटेक्निक में छात्रों को अग्नि सुरक्षा के स्वास्थ्य पूर्ण काशल सिखाने के उनकी सहायता होती है, बल्कि उद्देश्य से एक अग्निशामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डिप्लोमा प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एडिशनल कुमार सुप्रिय डायरेक्टर, अग्नि कुमार सिंह (रजिस्ट्रर) सहित कई शिक्षक उपरिक्षित रहे। बीआइटीटी की चेयरपर्सन डॉ वंदन कुमारी और बीआइटीटी सुप्रिय के चेयरमैन डॉ रंजित कुमार ने छात्रों का आयोजन किया और उनके प्राचार्य कृष्ण कुमार महली ने उत्जल भविष्य की कामना की।

फायरिंग से घायल युवक के पिता ने जतायी नाराजगी बोले- निर्दोष को फंसाया जा रहा



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। धूर्धा थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास हुई फायरिंग में घायल गुलशन पांडे की इलाज पारस अस्पताल में चल रहा है। उसे पीठ में गोली लगी थी, जो निकाल दी गयी है, और अब उसकी स्थिति दिख रही जा रही है।

घायल युवक के पिता संतोष पांडे ने मंगलवार को प्रत्यक्षकारों से बतायी थी कि पुलिस को निर्देश दिया गया है। इस सत्र के साथसाथ अनुभव सावित हुआ, जिसने छात्रों को सफलता के लिए अपने रास्ते खुद चुनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दृढ़ता, समर्पण और विचार होना पड़े।

शादी समारोह के दौरान डांस करने के दौरान गुलशन पांडे उर्फ मेडी को गोली लग गयी थी। अचानक हुई इस फायरिंग से समरेह में अफरा-तफरी में गोली गयी है। मौक पर अग्नि कुमार लोगों के अनुसार, कई लोग डांस कर रहे थे, तभी फायरिंग की आवाज आयी और गुलशन घायल होकर गिर पड़ा। हालांकि, गोली किसने चलायी, यह कोई नहीं देख पाया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और हिरासत में लिये गये युवकों से पूछताछ जारी है।

उल्लेखनीय है कि 10 फरवरी की देव रात धूर्धा थाना क्षेत्र में एक

संत माइकल्स स्कूल में प्रेरणादायक सत्र का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। संत माइकल्स स्कूल में मेडिकर्ट हॉस्पिटल, रांची के विद्यालय को गोरवानित किया। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, सक्षम गोयल ने 99.8454085 पर्सेटाइल, शिवम मिश्र 98.8190388 पर्सेटाइल, रुपेंटाइल 98.3317328 पर्सेटाइल, शान्ती स्नेहल 95.9218264 पर्सेटाइल, अन्वेषा अग्रवाल 94.7796072 पर्सेटाइल, पलक बागला 94.4647915 पर्सेटाइल, वैष्णवी सिंह 92.1683623 पर्सेटाइल, मृत्युंजय अरमान 91.2150096 पर्सेटाइल, चपिती अनिशुद्ध 91.1026060 पर्सेटाइल, स्पर्श रंजन 90.6823898 पर्सेटाइल और अधिकरक कुमार आयुष 90.1368770 पर्सेटाइल हासिल कर स्कूल की शान बढ़ायी है। प्राचार्य परमजीत कोरे ने छात्रों की शान देखी और उन्हें जेइ में शानदार प्रदर्शन किया।



मेडिका हॉस्पिटल, पारस, एच्सी और अपोलो हॉस्पिटल दिल्ली में अपने प्राप्तकर्ता के संग साझा किया। उन्होंने दृढ़ता, समर्पण और विचार होने के लिए प्रेरित किया।

अपने जुनून का पीछा करने के महत्व के बारे में बताया। उनके शब्द छात्रों के हृदय को गहरायी से छुए, उन्हें वाधाओं को दूर करने और अपनी पढ़ाई और भविष्य के करियर दोनों में उत्कृष्टता के लिए प्रयाप करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह सत्र एक सांस्कृतिक अनुभव सावित हुआ, जिसने छात्रों को सफलता के लिए अपने रास्ते खुद चुनने के लिए प्रेरित किया।

दिल्ली में मनाया गया हो समाज का प्रसिद्ध मांगे पर्व

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली में झारखंड और ओडिशा हो समाज के निवास करने वाले आदिवासियों ने दिल्ली स्थित अंडेंडकर भवन ज़ारी रानी मार्ग में हो समाज का प्रमुख मणि पर्व धूमधारा से मनाया। यह पर्व जनवरी और फरवरी माह में फसल कट जाने के उपरांत मनाया जाता है। यह आदिवासी हो समाज का प्रमुख धूमधारा में हो समाज की प्रमुख धूमधारा है। यह आदिवासी हो समाज का प्रमुख धूमधारा है। यह आदिवासी हो समाज का प्रमुख धूमधारा है। यह आदिवासी हो समाज का प्रमुख धूमधारा है।



बाहर, मुख्य अतिथि लिंगेल दर्दे वर्षाक चलाकर विश्व कीर्तिमान स्थापित करने वाले वार्ती बाइक वर्षाकर गर्ल के नाम से विख्यात हो चुकी हैं। उन्होंने समाज की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि देश की

अभिकर्ता मनोज बजाज को टॉपर परफॉर्मेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया

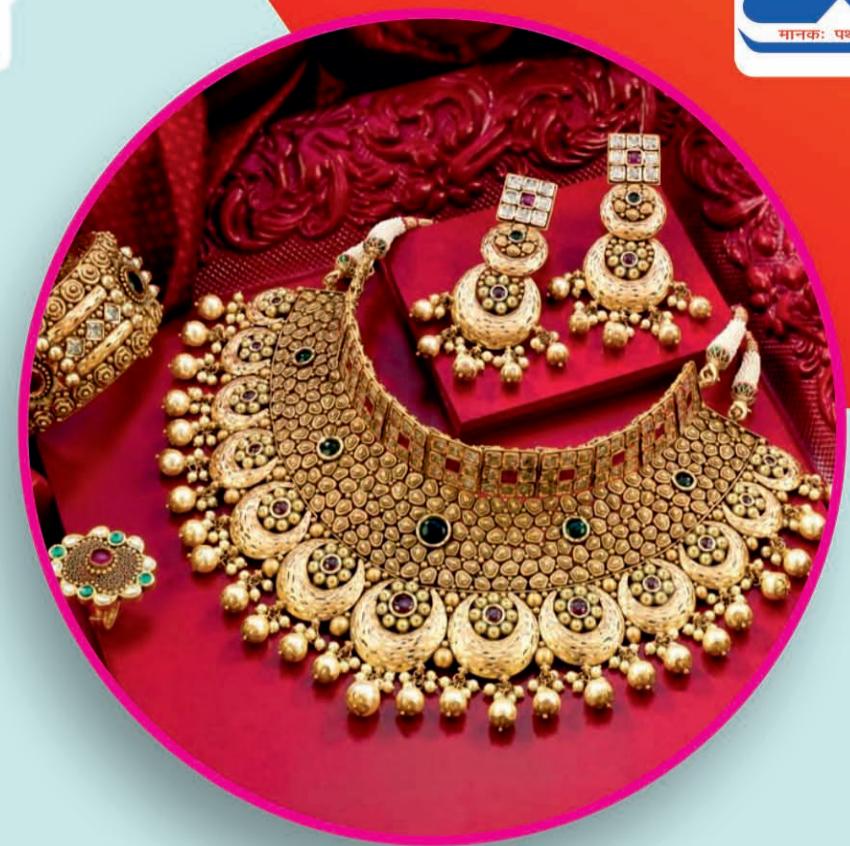
आजाद सिपाही संवाददाता



लॉन्च कर इस कीर्तिमान के लिए समान किया। इस दौरान प्रभारी को लगातार 11 वर्षों तक

बिहार के लिए निरंतर कीर्तिमान है। अभियंकर कुमार ने कहा श्री बजाज की उल्लेखनीय विश्व कीर्तिमान है। वीरीय अधिकारी क्षेत्रीय प्रबंधक रवि शंकर के नामों वाले बजाज की प्रसंगा कर कहा कि श्री बजाज स्टार हैल्ट के स्टार के लिए हम गौरवान्वित हैं। इस अवसर पर अधिकर्ता मनोज बजाज ने अपनी बाह्य धारा को उत्तरांश समर्पित किया। उन्होंने बजाज की अपनी कंपनी के समस्त कर्मचारियों से सेवानियत की गयी।

खूबसूरत ज्वेलरी के साथ इतों के बंधन जुड़ेंगे



हमारे यहां शुद्ध 916 BIS प्रमाणित
हॉलमार्क जेवर भी उपलब्ध है।

EXQUISITE
JEWELLERY
COLLECTION



SHIV JEWELLERS

PROPRIETOR:- SHIV JEWELLERS, BARIATU, HOUSING COLONY CHOWK
NEAR DAV PUBLIC SCHOOL, BARIATU, RANCHI, JHARKHAND
PHONE:-9835142965, 7209335501

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी गेड, रंगची 834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्वशंस (ए ब्यूनिट आंफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रंगची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, स्थानीय संपादक* : विनोद कुमार, ***पीआरबी एन्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, राज्य समन्वय संपादक : अजय शर्मा। समस्त दिवारी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दीड़त परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रंगची न्यायलय में रहेगा। फोन : 9264434560, R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109, Postal Registration No. RN/249/2019-21

